YASH VEDA
YASHVEDA
Om Sai Santpura, Modinagar
Distt. Ghaziabad - 201204

आयुर्वेद क्या है

आयुर्वेद हमें हजारों वर्षों से स्वस्थ जीवन की दिशा दिखा रहा है। प्राचीन भारत में आयुर्वेद को रोगों के उपचार और स्वस्थ जीवन शैली व्यतीत करने का सर्वोत्तम तरीका माना जाता था। आजकल के तेज जीवनशैली में, हमें अपने शरीर और मन का ध्यान रखने के लिए आयुर्वेदिक तरीकों की आवश्यकता है। इससे हम न केवल रोगों को दूर रख सकते हैं, बल्कि एक स्वस्थ और संतुलित जीवन भी जी सकते हैं।

आयुर्वेद के मूल सिद्धांत क्या है

आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है कि त्रिदोष - वात, पित्त, और कफ, हमारे शरीर के नियंत्रित करते हैं। ये तीनों दोष हमारे शरीर में संतुलन की स्थिति को दर्शाते हैं और इनका संतुलित रहना हमें स्वस्थ रखता है। जब इन दोषों में संतुलन बिगड़ जाता है, तो यह हमारे स्वास्थ्य पर असर डालते है और बिमारियों का कारण बनते हैं।

आयुर्वेद में यह माना जाता है कि प्रकृति में पांच तत्व होते हैं - पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि, और आकाश। वात, पित्त, और कफ इन पांच तत्वों के मिश्रण से बने हैं। वात वायु और आकाश से बना है, पित्त अग्नि और जल से बना है, और कफ पृथ्वी और जल से बना है। आयुर्वेद में त्रिदोषों को संतुलित रखने के लिए विभिन्न उपायों का उल्लेख किया गया है। सेहतमंद जीवन जीने के लिए आवश्यक है कि हम अपने आहार, व्यायाम, और ध्यान को संतुलित रखें, ताकि हमारे दोष संतुलित रहें और हम स्वस्थ रहें।

आयुर्वेद का महत्व

आयुर्वेद पांच हजार साल पुरानी चिकित्सा पद्धति है, जो हमारी आधुनिक जीवन शैली को सही दिशा देने और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। इसमें जड़ी बूटि सहित अन्य प्राकृतिक चीजों से उत्पाद, दवा और रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ तैयार किए जाते हैं। इनके इस्तेमाल से जीवन सुखी, तनाव मुक्त और रोग मुक्त बनता है। बीते 75 साल से 'केरल आयुर्वेद' भी आयुर्वेद पर आधारित सामान उप्लब्ध करा लोगों के जीवन को सुगम बनाने का काम कर रहा है। कंपनी की वेबसाइट भी है, जहां आप ऐसे उत्पाद आसानी से पा सकते हैं, जिन्हें पूर्ण रूप से प्राकृतिक उत्पादों से बनाया जाता है। आयुर्वेद को 1976 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है। यह एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है और त्वचा, बालों, शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। आयुर्वेद केवल जप, योग, उबटन या तेल की मालिश के लिए नहीं है, इसका अध्ययन और अनुसंधान बहुत व्यापक है। इसमें हर स्वास्थ्य समस्या के मूल कारण को समझकर उसके इलाज पर काम किया जाता है। इसी कारण से आयुर्वेद को भारत के अलावा दुनियाभर में महत्वपूर्ण माना जाता है।

YASH VEDA

आयुर्वेद का इतिहास

आयुर्वेद एक प्राचीन चिकित्सा विज्ञान है जो कम से कम 5,000 वर्षों से भारत में प्रचलित है। इसका नाम संस्कृत के शब्द "अयुर" (जीवन) और "वेद" (ज्ञान) से आया है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति पहले ही वेदों और पुराणों में उल्लिखित थी। आजकल आयुर्वेद को योग सहित अन्य पारंपरिक प्रथाओं के साथ एकीकृत किया जाता है। आयुर्वेद की खोज भारत में ही हुई और यहां अधिकांश लोग आयुर्वेद का उपयोग करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1976 में इसे मान्यता भी दी है। यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा के सेंटर फॉर स्पिरिचुअलिटी एंड हीलिंग के अनुसार पश्चिमी दुनिया में भी आयुर्वेद का उपयोग बढ़ रहा है। लेकिन अब भी आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा माना जाता है।

आयुर्वेद कैसे काम करता है । क्या हैं तीन दोष

आयुर्वेद में त्रिदोष : वात, पित्त, कफ का महत्व और हमारे स्वास्थ्य से संबंध

आयुर्वेद में यह माना जाता है कि अगर इन तीनों दोषों का संतुलन खराब होता है, तो यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए, आयुर्वेदिक उपचार का मुख्य उद्देश्य यही होता है कि त्रिदोषों का संतुलन बनाए रखा जाए। आयुर्वेद में, शरीर, मन और चेतना संतुलन बनाए रखने में एक साथ काम करते हैं। शरीर, मन और चेतना की असंतुलित अवस्था (vikruti) विकृति कहा जाता है। कुल मिलाकर, इसका उद्देश्य स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है, चाहे आप किसी भी उम्र के हों।

आयुर्वेदिक दर्शन के अनुसार हमारा शरीर पांच तत्वों (जल, पृथ्वी, आकाश, अग्नि और वायु) से मिलकर बना है। वात, पित्त और कफ इन पांच तत्वों के संयोजन और क्रमपरिवर्तन हैं जो सभी निर्माण में मौजूद पैटर्न के रूप में प्रकट होते हैं। भौतिक शरीर में, वात गति और चाल की सूक्ष्म ऊर्जा है। यह श्वास, हृदय की धड़कन सहित सभी गति विधियों को नियंत्रित करता है। संतुलन में, वात रचनात्मकता और लचीलेपन को बढ़ावा देता है। संतुलन न होने से, वात भय और चिंता पैदा करता है और जोड़ों के दर्द या आर्थराइटिस का कारण बनता है। पित्त शरीर की चयापचय प्रणाली के रूप में व्यक्त करता है - आग और पानी से बना है। यह पाचन, अवशोषण, आत्मसात, पोषण, चयापचय और शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। संतुलन में, पित्त समझ और बुद्धि को बढ़ावा देता है। संतुलन न होने से, पित्त क्रोध, घृणा और ईर्ष्या पैदा करता है। कफ वह ऊर्जा है जो शरीर की संरचना - हड्डियों, मांसपेशियों, टेंडन - का निर्माण करती है और "गोंद" प्रदान करती है जो कोशिकाओं को एक साथ रखती है, जो पृथ्वी और जल से मिलकर बनती है। यह जोड़ों को चिकनाई देता है, त्वचा को मॉइस्चराइज़ करता है, और प्रतिरक्षा को बनाए रखता है। संतुलन में, कफ को प्यार, शांति और क्षमा के रूप में व्यक्त किया जाता है। संतुलन से बाहर, यह लगाव, लालच और ईर्ष्या की ओर जाता है।

YASH VEDA

आयुर्वेद के स्वास्थ्य लाभ

स्वस्थ वजन, त्वचा और बाल का रखरखाव

सही वज़न, निखरी त्वचा और घने, खूबसूरत बाल - स्वस्थ आहार और आयुर्वेदिक इलाजों के माध्यम से जीवनशैली में संशोधन करके शरीर से अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद मिलती है। आयुर्वेद खान-पान में सुधार लाकर एक स्वस्थ वजन को मेन्टेन करने में मदद करता है। ऑर्गेनिक और प्राकृतिक तरीकों से आप स्वस्थ त्वचा पा सकते है। सिर्फ यही नही, संतुलित भोजन, टोनिंग व्यायाम और आयुर्वेदिक पूरक / सप्लीमेंट के मदद से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा बल्कि मन भी प्रसन्न रहेग।

आयुर्वेदिक इलाज आपको तनाव से बचने में मदद करता हैं-

योग, मेडिटेशन, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, मसाज और हर्बल उपचारों का नियमित अभ्यास शरीर को शांत, डिटॉक्सिफाई और कायाकल्प करने में मदद करता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से हमारे शरीर में सक्रियता बढ़ती है और कोशिकाओं को ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचता है। टेंशन और चिंता को दूर रखने के लिए आयुर्वेद में शिरोधारा, अभ्यंग, शिरोभ्यंग, और पादाभ्यंग जैसे व्यायामों की सलाह दिया जाता है।

जलन और सूजन में मदद करें:

उचित आहार की कमी, अस्वास्थ्यकर भोजन, दिनचर्या, अपर्याप्त नींद, अनियमित नींद पैटर्न और खराब पाचन से इन्फ्लेम्शन हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल रोगों, कैंसर, मधुमेह, हृदय संबंधी समस्याओं, फुफ्फुसीय रोगों, गठिया, और कई अन्य रोगों का मूल कारण इन्फ्लेम्शन से शुरू होता है। जैसे-जैसे आप अपने दोष के अनुसार खाना शुरू करते हैं, पाचन तंत्र मजबूत होने लगता है। सही समय पर कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन रक्त और पाचन तंत्र में विषाक्त पदार्थों को कम करता है। जिससे जीवन शक्ति और उच्च ऊर्जा प्राप्त होता है और साथ ही साथ मूड स्विंग्स और सुस्ती को कम करने में मदद करता है।

शरीर का शुद्धिकरण

आयुर्वेद में पंचकर्म में एनीमा, रक्तमोक्ष,जैसे पंचकर्म के माध्यम से शारीरिक विषाक्त पदार्थों को शरीर से बहार निकलता है।

कैंसर, निम्न रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल सहित बाकि क्रिटिकल बीमारियों से बचाव

आयुर्वेदिक उपचार कैंसर की रोकथाम के लिए भी बहुत जाने जाते हैं। शोधकर्ताओं का सुझाव है कि आयुर्वेदिक आहार और विश्राम तकनीक कैंसर को दूर रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में जड़ी बूटियाँ सही तरीके से रोगों के खिलाफ संरक्षण और उपचार में सहायक होती हैं। आयुर्वेद चिकित्सा एक प्राचीन कला है जो पुराने चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देती है। इससे तिब्बती चिकित्सा और पारंपरिक चीनी चिकित्सा भी प्रभावित हुई है। यह चिकित्सा का एक प्राचीन और महत्वपूर्ण प्रकार है जिसे यूनानी चिकित्सा भी अपनाती थी।

आहार का अच्छा चयन हमारे स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव डालता है और हमें ऊर्जावान और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इसलिए, हमें सही आहार का चयन करने का ध्यान रखना चाहिए। आधुनिक चिकित्सा की शुरूआत ने और भारत में लगातार विदेशी आक्रमण के वजह से इस कला को महत्व नहीं मिला। वर्तमान में, आधुनिक चिकित्सक इस प्राचीन कला के महत्व को समझ रहे हैं और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साथ आयुर्वेद का संबंध बनाके आयुर्वेद पर अधिक शोध लाने की भी कोशिश के जा रही है। चिकित्सा विज्ञान में इस नई प्रगति के साथ लोगों के विचारधारा और जीवन शैली में भी बहुत तेजी से बदलाव आ रहें है।

YASH VEDA

Massage

A “vision” is like a dream that a company strives to turn into reality. It’s the grand goal that keeps them motivated and moving forward. It serves as a focal point, guiding the entity’s trajectory towards a predefined pinnacle of success. This visionary statement encapsulates the core ideals and values that the organization upholds, fostering a cohesive and synergistic approach to achieving excellence. It is a beacon that illuminates the path of progress, ensuring that all organizational endeavours are aligned with the overarching ambition to foster innovation, growth, and a sustainable legacy in the industry.

Definition: An organization's vision outlines its long-term aspirations, while its mission defines its purpose, detailing what it does and whom it serves.

Focus: The vision is future-oriented, emphasizing goals and aspirations, whereas the mission is present-oriented, focusing on current operations and objectives.

Purpose: The vision inspires and motivates stakeholders, providing direction, while the mission communicates core values and priorities, guiding daily operations.

Time Frame: The vision is typically long-term, looking several years ahead, while the mission is short—to medium-term, centred on current actions and goals.

Example: An example of a vision could be “To be the leading provider of innovative technology solutions,” while a mission example might be “To provide high-quality educational resources to students worldwide.”

YASH VEDA

Legal Documents

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER INDUSTRIES

उत्तर प्रदेश व्यापार प्रोत्साहन प्राधिकरण
UTTAR PRADESH TRADE PROMOTION AUTHORITY

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
Central Bank of India

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
CERTIFICATE OF IMPORTER-EXPORTER CODE (IEC)

Certificate of Compliance
Certificate Number: UQ-32937
This is to certify that
M/S. S.K.PHARMA
at
01, URMILA AYURVED BHAWAN, SK PHARMA ROAD, SHIV GANGA NAGAR, PEETAL NAGRI, MORADABAD, UTTAR PRADESH – 244001, INDIA

Has successfully implemented the Quality management System and been found working satisfactorily as per the norms of "Good Manufacturing Practice" as laid down by "World Health Organisation "which has been in conformance to the requirements of

WHO-GMP

Scope: MANUFACTURING AYURVEDIC AND HERBAL MEDICINES, HERBAL PERSONAL CARE AND COSMETICS PRODUCTS

This certificate is issued under the following conditions:

1. It applies only to the quality system maintained in the manufacture of above referenced Models Products.
2. The certificate remains valid until the manufacturing conditions or the quality systems are changed and is subject to continuous surveillance according to the WHO-GMP Guidelines
3. The certificate validity is conditioned by positive results or surveillance audits.

Validity of this certificate can be verified at www.ukcertifications.org.uk/verify

Date of Certification	16th July 2020
1st Surveillance Audit Due	15th July 2021
2nd Surveillance Audit Due	15th July 2022
Certificate Expiry (subject to the company maintaining its system to the required standard)	15th July 2023

Authorised Signatory

Form 26 E-1
Certificate of Good Manufacturing Practices (GMP) to manufacturer of (of Ayurveda Drugs)

क्रय पत्र (फार्म) 15

Form 26 E-1
(See rule 155-B)
(Certificate of Good Manufacturing Practices (GMP) to manufacturer of Ayurveda Drugs)

Form 1
Certificate of Incorporation

ONCRA
CERTIFICATE

INCOME TAX PAN SERVICES UNIT

(FORM 25D)

Life a Few Decades Back and Today....

OLD LIFE STYLE | **LIVING LONG** | **DYING SHORT**

HEALTHY LIFE STYLE

LIVING SHORT | **DYING EARLY** | **NEW LIFE STYLE**

YASH VEDA

Due to Which....

Cause Micro Organisms

- MALARIA
- DIPTHERIA
- SMALLPOX
- PLAGUE
- CHICKEN POX
- CHOLERA
- TUBERCOLOSIS
- WHOOPING COUGH

Cause Today's Lifestyle

- OSTEOPOROSIS
- ASTHMA
- DIABETES
- STROKE
- CANCER
- HYPERTENSION
- CVD (cardio-vascular- disease)
- ARTHRITIS
- OBESITY
- ALZHEIMERS

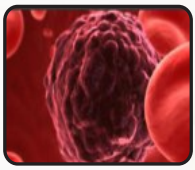

EARLIER DISEASE

DISEASE NOW - A- DAYS

YASH VEDA

Cause of These Diseases...

What your body Needs ?

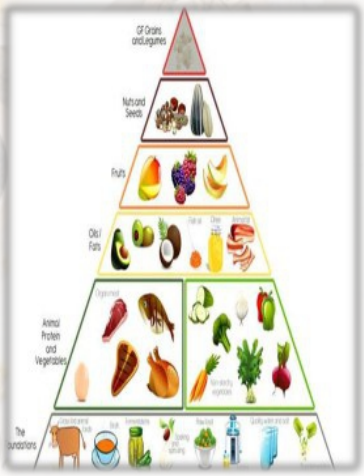

- Vitamins
- Trace Elements
- Minerals
- Carbohydrates
- Fibres
- Unsaturated Fats
- Protiens
- Amino Acids
- Enzymes
- Herbs
- Water

What your body daily gets ?

- Refined products
- Meat
- Animal products
- Boiled down vegetables
- Stored fruits
- Salt, Sugar, Cholesterol
- Caffeine
- Alcohol
- Medication
- Food addictive's
- Pesticides

YASH VEDA

What Went Wrong ?

Earlier the food what we ate was as good **Medicine.**

But, Today the food what we eat is like **Slow Poison**

Earlier

- Natural way of Farming Crops.

- Ancient method of Cooking

- No Junk /Fast Food

- Physical Activity was Higher.

Now

- Artificial Farming

- Modern Cooking

- Junk /Fast Food

- No Physical Activity

Toxins From Environment

Pesticides in Food

AIR Pollution

Water Pollution

Radiation

Artificial Ripening

Less Physical Activity

Modern Cooking

Adulteration of Spices

NOW, HOW TO IMPROVE IMMUNITY...

OUR SOLUTION...

YASH VEDA

bringing 5000 years old ancient
ayurveda & delivering best quality products

MISSION :

HEALTHY & WEALTHY INDIA

गुडुच्यादि क्वाथ

with

Giloy

आंवला, सोंठ

Good for
Imunity

Good For
Respiratory Health

Good For
Skin Health

Good For
Liver Health

Antioxidant
Properties

गुण व उपयोग : यह औषधि पलेटलेटस को बढ़ा कर डेंगू को भी समाप्त करने में लाभ दायक है । इसके उपयोग से प्यास जलन कुष्ठ और पीलिया रोग में लाभ ले सकते हैं । इसके साथ ही यह बढ़ाती है और बुखार उल्टी, सूखी खांसी, हिचकी, टीबी एवं मूत्र रोग में भी लाभदायक है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

VARUNADI KWATH for पथरी

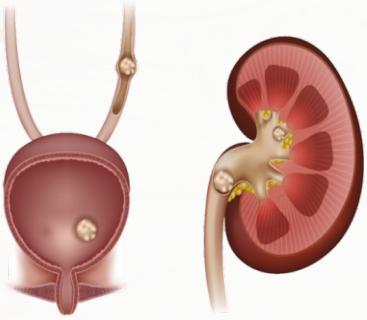

Each Contents 10ml. content

Varun Chaal	1 gm
Sonth	1 gm.
Gokhru	1 gm.
Pashanbhed	1 gm.
Yavchhar	10 mg.
Jal	qs.

गुण एवं उपयोग : यह औषधी किडनी स्टोन हटाने का बहुत ही ठोस उपचार है । इसने हमारे शोध में अन्य सभी उत्पादों का प्रदर्शन किया । यह उत्पाद हर्बल अवयवों का शक्ति मिश्रण है । जो गुर्दे की पथरी को तेजी से घोलता है । यह औषधी दोनो पत्थरों पर काम करता है यह एक गुणवत्ता वाला उत्पाद है जो बिना किसी दुष्प्रभाव के सभी प्रकार के पत्थरों पर काम करता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

अर्क हराभरा

A Product for

लिवर हेल्थ

A HERBAL TONIC FOR LIVER

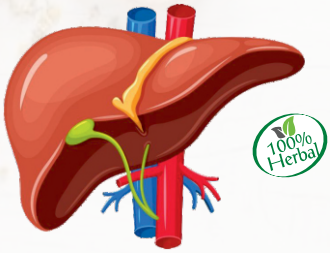

With **TULSI** & **GILOYE**

Each 15ml Containt

Lal Chandan	0.1875 gm
Khas	0.1875 gm
Padmakh	0.1875 gm
Nagar Motha	0.1875 gm
Giloye	0.1875 gm
Pitt Papda	0.1875 gm
Neem Chaal	0.1875 gm
Nilofer	0.1875 gm
Kasni Beej	0.1875 gm
Sonf	0.1875 gm
kaddu Beej	0.1875 gm
Naagbala	0.1875 gm
Dhania	0.1875 gm
Tulsi Beej	0.1875 gm
bahera	0.1875 gm
Ghamasha	0.1875 gm
Mudi	0.1875 gm
Mulheti	0.1875 gm
Choti Elaichi	0.1875 gm
Post Dondi	0.1875 gm

गुण एवं उपयोग : लीवर, गुर्दा, पेशाब, सम्बन्धी सभी रोगों को समाप्त करता है । लीवर की सूजन या एल्कोहॉलिक लीवर में विशेष लाभ देता है । हैजा, बुखार, सीने की जलन, कब्ज, मोटापा, सूखापन, को खत्म करके खून बढाता है । नसों, मांसपेशियों को ताकत देता है । शरीर में खून की मात्रा बढ़ाने में मदद करता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

ZUFA SYRUP
for
VITAMINS
FOR HEALTHY LIFE

Each 200 ml. Contents

मुनक्का	3.65 ग्राम
उन्ताव	2.43 ग्राम
सपिस्तान	2.43 ग्राम
अंजीर	2.43 ग्राम
वेख सोसन	3.65 ग्राम
मुलेहटी	2.43 ग्राम
सौंफ की जड़	1.21 ग्राम
वेख कर्फस	1.21 ग्राम
जूफा	1.21 ग्राम
हेसराज	1.21 ग्राम
बिहीदाना	0-60 ग्राम
अनी सून	0-60 ग्राम
सौंफ	0-60 ग्राम
छिले जौ	0-60 ग्राम
अलसी	0-60 ग्राम
जटॉमांसी	0-60 ग्राम
गांवज़बॉ	0-60 ग्राम
खत्मी के बीज	0-60 ग्राम
चीनी	73-17 ग्राम
जल	

गुण व उपयोग : अगर हमारे शरीर को जरूरी विटामिन नहीं मिल पा रहे है । तो ऐसे में हमारा शरीर हल्के कामों में भी ज्यादा ऊर्जा खर्च करने लग जाता है । जिसकी वजह से हमें थकान और कई तरह की बीमारी हो सकती है । मल्टीविटामिन लेने से हमारे को ऊर्जा मिलती है । और हम अच्छे से फिट रहते है । हर रोज मल्टी विटामिन लेने से तनाव और चिंता का लेवल भी कम हो जाता है । हमारा शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए विटामिन बी का प्रयोग करता है इससे हमारे शरीर की तंत्रिका ठीक तरह से काम करती है । इसके अलावा स्ट्रेस हॉर्मोन्स का उत्पादन करती है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

BHAGYARDI
KWATH

for IMUNITY BOOSTER

Each Contents 500 ml.

Gloye	16.6 gm
Sonpatha	16.6 gm
Kali Mirch	16.6 gm
Choti Pipli	16.6 gm
Bach	16.6 gm
Sonth	16.6 gm
Bharangdimool	16.6 gm
Neem Ki Chaa	16.6 gm
Kura Ki Chaach	16.6 gm
Rasna	16.6 gm
Haldi	16.6 gm
Brahmi	16.6 gm
Nagar Motha	16.6 gm
Harad	16.6 gm
Jawasa	16.6 gm
Karwe parwal ke patte	16.6 gm
Pushkar Mool	16.6 gm
Choti Kateri	16.6 gm
Chirayta	16.6 gm
Adoosa	16.6 gm
Paad	16.6 gm
Nishoth	16.6 gm
kachoor	16.6 gm
Anwla	16.6 gm
Atees	16.6 gm
Kutki	16.6 gm
Daruhaldi	16.6 gm
Indrayan Ki jad	16.6 gm
Bahera	16.6 gm
Dev daru	16.6 gm

गुण व उपयोग : अगर हमारे शरीर को जरूरी विटामिन नहीं मिल पा रहे है । तो ऐसे में हमारा शरीर हल्के कामों में भी ज्यादा ऊर्जा खर्च करने लग जाता है । जिसकी वजह से हमें थकान और कई तरह की बीमारी हो सकती है । मल्टीविटामिन लेने से हमारे को ऊर्जा मिलती है । और हम अच्छे से फिट रहते है । हर रोज मल्टी विटामिन लेने से तनाव और चिंता का लेवल भी कम हो जाता है । हमारा शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए विटामिन बी का प्रयोग करता है इससे हमारे शरीर की तंत्रिका ठीक तरह से काम करती है । इसके अलावा स्ट्रेस हॉर्मोन्स का उत्पादन करती है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

SANNIPATIK Kwath
PAIN REMEDY

Each 200 ml Containt

बायविडंग	16.6 ग्राम	सौंठ	16.6 ग्राम
पीपलामूल	16.6 ग्राम	काली मिर्च	16.6 ग्राम
देव दारू	16.6 ग्राम	पीपल	16.6 ग्राम
इन्द्रजौ	16.6 ग्राम	चित्रकमूल	16.6 ग्राम
ब्राहमि	16.6 ग्राम	कायफल	16.6 ग्राम
भांगरा	16.6 ग्राम	कमल कंद	16.6 ग्राम

गुण व उपयोग : सर्वांगवात अर्थात सभी प्रकार की प्राकुपित वात में इससे बहुत लाभ होता है । अर्धांगवात एवं एकांगवात इसका उपयोग लाभकारी होता है । जोड़ों के दर्द, ऑस्टियो एवं रयूमेटाईड अर्थराइटिस, गॉउट, सरवाईकल एन्क्लोजिंग एवं लुम्बर स्पॉन्डिलाइटिस साइटिका, नसों की ब्लॉकेज युरिक ऐसिड घटना या बढ़ना घुटनों के दर्द एवं अन्य सभी प्रकार के वातशूल में लाभ देता है । लकवा एवं गठिया रोग में भी इसका उपयोग लाभ पहुंचता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

BLOCKAGE CURE

Powder

Cells, Veins, Tube,
Nadi, Urinary Blockage

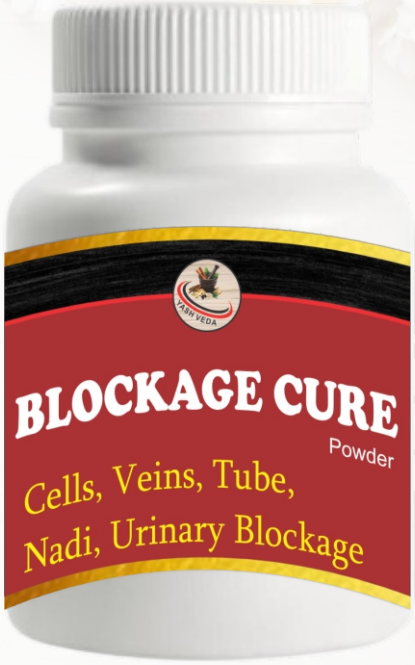

गुण एवं उपयोग : यह औषधि रक्त साफ करता है और पिंपल्स को रोकता है । प्राकृतिक चमक के साथ पिंपल मुक्त त्वचा बनाता है । ब्लड प्यूरीफायर चमकती त्वचा के लिए एक अच्छा स्वास्थ्य वर्धक टॉनिक है । ब्लड प्यूरीफायर और गैस्ट्रिक की समस्या को कम करता है । यह सोरयासिस, रिंग वार्म, डर्मेटाईटिस, खुजली, दाद को समाप्त करता है । यह सीरप होने के कारण इसे पानी के साथ आसानी से लिया जा सकता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

Amar Sundari Vati

HORMONES

Each 400mg. Vati (Goli) Containt :

Sonth	19.04 mg.	Tejpat	19.04 mg.
Pipal	19.04 mg.	Nagkesar	19.04 mg.
Kalimirch	19.04 mg.	Elaichi Choti	19.04 mg.
Amla	19.04 mg.	Shudh Parad	19.04 mg.
Harre	19.04 mg.	Shudh Gandhak	19.04 mg.
Baheda	19.04 mg.	Sudh Bachhang	19.04 mg.
Reduka	19.04 mg.	Vayvidang	19.04 mg.
Piplamool	19.04 mg.	Akkarkara	19.04 mg.
Chitrakmool	19.04 mg.	Nagarmotha	19.04 mg.
Chitakchal	19.04 mg.	Loh Bhasm	19.04 mg.
Dal Chini	19.04 mg.		

गुण एवं उपयोग : यह औषधि रक्त साफ करता है और पिंपल्स को रोकता है । प्राकृतिक चमक के साथ पिंपल मुक्त त्वचा बनाता है । ब्लड प्यूरीफायर चमकती त्वचा के लिए एक अच्छा स्वास्थ्य वर्धक टॉनिक है । ब्लड प्यूरीफायर और गैस्ट्रिक की समस्या को कम करता है । यह सोरयासिस, रिंग वार्म, डर्मेटाईटिस, खुजली, दाद को समाप्त करता है । यह सीरप होने के कारण इसे पानी के साथ आसानी से लिया जा सकता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

Garbha Dharan
Capsule

गर्भधारण कैप्सूल

संतान सुख की तरफ पहला कदम

Each 500mg. Capsule contains

Asparagus racemosus (Shatavari) Extract	100mg
Mesua ferrea (Nagkesar) Extract	30mg
Symplocos racemosa (Lodhra) Extract	60mg
Putranjiva roxb (Putrajeevak beej)Extract	100mg
Bryonia laciniosa (Shivlingi beej) Extract	80mg
Withania somnifera (Ashwagandha) Extract	30mg
Saraca asoco (Ashok chal) Extract	50mg
Spirulina Extract	50mg

गुण व उपयोग : यह औषधियां नपुंसकता, ओलिगोस्पर्मियों दुर्बल करने वाली बीमारियों असंतोषजनक यौन प्रदर्शन रात में उत्सर्जन, जीवन शक्ति की हानि, अल्प वीर्य, कामेच्छा में कमी मानसिक और शारीरिक थकान के लिए बहुत प्रभावी है । हम आपके यौन संबध के बारे अच्छी तरह से जानते है । चिंता न करें अब आपके पास एक गुणवत्ता वाली दवा है । यह उन लोगों के लिए ईश्वर का उपहार है । जिन्हे यौन और प्रजनन संबंधी जटिलतांए है । इसकी अत्याधिक शक्तिशाली विश्वसनीय और वहनीय है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

Madan Manjari

Vati

300mg. Vati Content

Swarn Bhasm	02mg.
Rassindur	25mg.
Abhrak Bhasm	25mg.
Bang Bhasm	25mg.
Pravaal Pishti	25mg.
Kesar	25mg.
Jayefal	25mg.
Javatri	25mg.
Long	25mg.
Choti Elaichi	25mg.
Akarkara	25mg.
Safed Mirch	25mg.
Kapoor	10mg.
Kasturi Ambar	10mg.

गुण व उपयोग : सर्वांगवात अर्थात सभी प्रकार की प्राकुपित वात में इससे बहुत लाभ होता है । अर्धांगवात एवं एकांगवात में इसका उपयोग लाभकारी होता है । जोड़ों के दर्द, ऑस्टियो एवं रयूमेटाईड अर्थराइटिस, गॉउट, सरवाईकल एन्क्लोजिंग एवं लुम्बर स्पॉन्डिलाइटिस साइटिका, नसों की ब्लॉकेज युरिक ऐसिड घटना या बढ़ना घुटनों के दर्द एवं अन्य सभी प्रकार के वातशूल में लाभ देता है । लकवा एवं गठिया रोग में भी इसका उपयोग लाभ पहुंचता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

HERBO GOLD

SPERM

Powder

Each 10gm. Contents

AGAR 1.5gm. , JATAMANSI 1.5gm. , JADVAAR1.5gm. ,
AKARKARA 1.5gm. AAM 1.5gm. , JAVITRI 15 mg,
JAAYPHAL 15 mg, , KALI MIRCH 15 mg,
RUMI MASTAGI 500mg. , KESAR 5mg. ,SUDH SHILAJEET 500mg.

गुण व उपयोग : यह औषधियां नपुंसकता, ओलिगोस्पर्मियों दुर्बल करने वाली बीमारियों असंतोषजनक यौन प्रदर्शन रात में उत्सर्जन, जीवन शक्ति की हानि, अल्प वीर्य, कामेच्छा में कमी मानसिक और शारीरिक थकान के लिए बहुत प्रभावी है । हम आपके यौन संबध के बारे अच्छी तरह से जानते है । चिंता न करें अब आपके पास एक गुणवत्ता वाली दवा है । यह उन लोगों के लिए ईश्वर का उपहार है । जिन्हे यौन और प्रजनन संबंधी जटिलतांए है । इसकी अत्याधिक शक्तिशाली विश्वसनीय और वहनीय है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

KALYAN SUNDAR
CYST
Ras

Each 200 mg.Contain

Ras Sindor	33.3 mg.
Abrak Bhasm	33.3 mg.
Chandi Bhasm	00.3 mg.
Sona Bhasm	00.3 mg.
Tamr Bham	33.3 mg.
Sudh Singraf	33.3 mg.
Chitak	33 mg.
Hasti Sundhi	33 mg.

Foumula Based On : A.S.S.

गुण एवं उपयोग : यह औषधि स्त्रियों के लिए यह एक आर्दश औषधि है । मासिक धर्म को नियमित करता है । स्त्रियों के नये पुराने श्वेत प्रदर रोग, कमर अथवा पेडू में दर्द होना हाथपैर के तलवों में जलन होना आदि में लाभदायक है। भूख नही लगना, चिड़चिडापन होना आदि समस्त विकार दूर होते है । इससे लौह एवं कैल्शियम की कमी दूर होती है । दुर्बलता आलस्य आदि दूर होकर शरीर स्फूर्तिवान एवं कान्तिमय हो जाता है ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

सेवन: विकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

सेवन: चिकित्सक के परामर्शानुसार प्रयोग करें ।

YASHVEDA

Om Sai Santpura, Modinagar
Distt. Ghaziabad - 201204